NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF TERM II
CLASS : 7th SESSION 2021
SUBJECT : HINDI Pg no 1.

पाठ - 16

बच्चों को उठाने वाला चीता

शब्द ज्ञान
आवश्यक = जरूरी , संभावना = उम्मीद , उपयुक्त = सही, सौभाग्य = अच्छा भाग्य , हंकना = हाँकना , उसूल = नियम , बू = गंध , मोहलत = छूट , बसेरा = रहने का स्थान , तादात्म्य = तालमेल , खामियाजा = दुष्परिणाम , नरभक्षी = मनुष्यों को खाने वाला , लोप = गुम हो जाना, अचूक = न चूकने वाला ।

मौखिक : (उत्तर)
1. शिकार के लिए प्रातः काल का समय अच्छा होता है ।
2. चीता बस्तियों से अपने घर से बेघर होना का बदला लेता है ।

लिखित : (उत्तर)

1. नीलमगढ़ के जंगलों का एक हिस्सा साफ किया जा रहा था । जब जंगल पर कोई मुसिबत आती है तो उसमें बसने वाले भी उससे प्रभावित होते हैं । इसी प्रकार नीलमगढ़ के जंगलों की सफ़ाई

के समय जंगल के एक हिस्से में बसने वाले जानवर दूसरे हिस्से में नया बसेरा ढूँढने लगे। जब जानवरों का घर उजड़ता है, उस समय उनमें से कई नये अपरिचित वातावरण से तालमेल नहीं कर सकते, उनके स्वभाव बिगड़ जाते है इस प्रकार उनकी शांति छिन्न-भिन्न करने का ख़ामियाजा इंसान को भुगतना पड़ता है।

२. चीता और शेर में यह अंतर है :-
चीता अधिक ढीठ और हिम्मत वाला होता है। चीता घर में अवसर पाकर घुस आता है और कुत्ते को भी उठा ले जाता है। अगर आदमी पहले हमला न करे तो चीता भी आदमी पर हमला नहीं करता। चीता आदमी का दुश्मन बन जाए तो वह छोटे बच्चों और नाटे बच्चों और नाटे कद की औरतों पर हमला करता है। चीता केवल मारने के लिए भी हमला करता है। खाने से उन्हें कोई मतलब नहीं होता।
शेर :- शेर घर में घुसकर बिना छेड़-छाड़ किए वार नहीं करता। शेर कुत्ते पर हमला नहीं करता। शेर आदमी का शिकार खाने के लिए हमला करता है।

३. खुदादाद खाँ थ्री-नट-थ्री को अपने सौभाग्य की निशानी मानते थे क्योंकि उसका इतिहास बयान करता है कि एक अंग्रेज कलेक्टर जॉन हिल ने अपनी जान पर राइफल उसको इनाम में दी थी।

२. सही (✓) एवं गलत (✗) चिह्न लगाइए : (उत्तर)

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :
1. नरभक्षी 2. शिकार 3. जमीन 4. खुदादाद
5. चीते

4. नीचे लिखें वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए : (उत्तर)
1. जल्दी जल्दी
2. परसों
3. नि:संदेह
4. उधर
5. वहाँ
6. अभी
7. अचानक

Scanned with CamScanner

पाठ - 17
जगदीशचंद्र बसु

शब्द ज्ञान (Already done on Book).

मौखिक : (उत्तर)

1. जगदीशचंद्र बसु का जन्म 30 नवंबर 1858 को ढाका ज़िला में रारीखाल नाम के गाँव में हुआ था।

2. बसु ने अफ़सरी का मोह देश प्रेम की भावना में छोड़ दिया।

लिखित : (उत्तर)

1. बसु के पिता ने उन्हे गाँव के स्कूल में पढ़ने के लिए भेजा। उनके साथ पढ़ने वाले बच्चे गरीब परिवारों के थे। बसु उन्हें अपने घर ले जाता। वहाँ पर माँ उन्हें कहानियाँ सुनाया करतीं। घर में बूढ़ा नौकर था जो बसु को बहुत प्यार करता था। वह भी पुराणों की कहानियाँ सुनाया करता था। इन सब बातों का बसु का गहरा असर पड़ा। उन्हें अपने देशवासियों से प्रेम हो गया। दिल में बराबरी का विचार बैठ गए, बड़ो का आदर-भाव आ गया। अपनी भाषा से प्रेम हो गया। अपने रीति-रिवाज उन्हें अच्छे लगने लगे।

2. बेतार की खोज में दो वैज्ञानिक इसी खोज में लगे

लगे थे। जगदीशचंद्र बसु भी काम कर रहे थे। वे सबसे पहले सफ़ल हुए। अपनी खोज को उन्होंने लोगों को दिखाया। बंगाल के गवर्नर ने भी उसे देखा। उन्होंने बिना तार के दूसरे कमरे में रखी घंटी बजा दी। घंटी बजते ही पटाखा फूट गया। अपनी खोज दिखाने वे इंग्लैंड गए। बड़े-बड़े वैज्ञानिकों ने उनकी सराहना की और डाक्टर की उपाधि भी दी। लेकिन भारत सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। खोज जहाँ की तहाँ रह गयी। उसका प्रचार न हो सका। इस साल की सरकार की लापरवाही से पानी फिर गया।

3. सब लोग बेतार के तार को जानते है। उसके खोजने वाले का नाम मारकोनी बताया जाता है। लेकिन वास्तव में यह खोज जगदीशचंद्र बसु ने की थी किंतु वे एक गुलाम देश के वैज्ञानिक थे, इसलिए उन्हे सम्मान नहीं दिया गया।

4. जगदीशचंद्र बसु ने पौधों के विकास को नापने वाला यंत्र भी बनाया। इनसे बहुत लाभ हुआ। यह पता लगाया जाने लगा कि कौन-सा भोजन उन्हें माफ़िक आता है। इस तरह पौधों की खुराक तय होने लगी। पौधों की कई नस्लों में सुधार किए गए। पौधों को बेहोश करने की दवा भी उन्होंने निकाली।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-(उत्तर)

1. 30 नवंबर 1858 2. कोलकाता 3. भेदभाव

4. डॉ. बसु

पाठ-18
राखी का मूल्य

शब्द ज्ञान (Already Done on Book,

मौखिक : (उत्तर)

1. हुमायूँ ने मेवाड़ की सुरक्षा के लिए अपनी धर्म बहन महारानी कर्णवती द्वारा भेजी राखी की लाज को बचाने हेतु अपना सब कुछ दाँव पर लगा दिया।।

2. महाराणा साँगा की पत्नियों के नाम कर्णवती और जवाहरबाई था।।

3. तातर खाँ हुमायूँ के सेनापति थे।

लिखित : (उत्तर)

1. राखी के महत्व, गौरव-गरिमा के विषय में क्षत्रियों ने यह कहा है कि मेवाड़ में ऐसी रंगीन श्रावणी कभी न आई होगी। क्षत्राणियों की राखियाँ इतनी सस्ती नहीं होती। हमारे तारों का प्रतिदिन सर्वस्व बलिदान है, जिन्हें प्राण चढ़ाने का शौक हो, वे ही ये राखियाँ स्वीकार करें।

2. कर्णवती ने हुमायूँ के पास यह सोचकर राखी भेजी कि भातृत्व और मनुष्यत्व पर विश्वास करके हुमायूँ की परीक्षा ली जाए। इसलिए यह राखी और पत्र

दूत के हाथ बादशाह हुमायूँ के पास भेजते है।

3. कर्णावती का पत्र और राखी पाने पर हुमायूँ ने यह सोचा कि हिंदूबेग ने उन्हें जादू का पिटारा भेजा है। मेरे सूने आसमान से उन्होंने आसमान का चाँद चमकाया है। उन्होंने मुझे राखी भेजी है, मुझे अपना भाई बनाया है।

4. कर्णावती का हुमायूँ के पास राखी भेजने का यह उद्देश्य था कि उन दोनों की मिल का शत्रु का मुकाबला करें।

2. संवाद पूरा लिखिए:

क, एक क्षत्रिय : मेवाड़ के क्षत्रियों को यह बात नए सिरे से नहीं समझानी होगी। माँ, हम लोग सदियों से हँसते-हसते प्राण देते आए हैं।

2. कर्णावती : धन्य हो, वीरों! तुमसे यही आशा थी। अच्छा आओ, राखी की इस मर्यादा में बंधकर प्रतिज्ञा करो कि प्राण रहते मेवाड़ की पताका को झुकने न देंगे।

3. बाघसिंह : राजपूत वीरता से लड़ रहे हैं, किंतु एक तो हमारी संख्या बहुत कम है, दूसरे शत्रु का यूरोपियन तोपखाना आग उगल रहा है।

4. कर्णावती : चौंकती क्यों हो, जवाहरबाई ! मुगल भी इंसान है। उनके भी बहन होती है। सोचो तो बहन, क्या वे मनुष्य नहीं है।

5. हुमायूँ : बहन कर्णावती से कहना, हुमायूँ तुम्हारी माँ के पेट से पैदा नहीं हुआ तो क्या, वह तुम्हारे सगे भाई से बढ़कर है। कह देना - मेवाड़ की इज्जत, मेरी इज्जत है। जाओ।

पाठ - 19.
खेल

शब्द ज्ञान (Already done on Book).

मौखिक : (उत्तर)

1. बालक बालू के साथ गंगातट पर पानी को अपना एकमात्र आत्मीय बना उनसे खेल रहा था।

लिखित : (उत्तर)

1. दोनो बच्चों के नाम मनोहर और सुरबाला था। सुरबाला सात वर्ष की थी और मनोहर उससे दो वर्ष बड़ा था।

2. भाड़ बनाते हुए सुखवाला यह सोच रही थी कि भाड़ की छत गर्म होगी। उस पर मनोहर कैसा रहेगा। मैं तो सह लूगी। अगर वो मेरे पास आने को ज़िद करेगा। तो मैं उसे धक्का दूँगी और गिर जाने पर कहूँगी ; जल जाएगा।

3. भाड़ टूटने पर सुखवाला उदास हो गई।

2. रिक्त स्थान भरें: (उत्तर)
1. बालक 2. सुखवाला देवी 3. परमात्मा 4. क्रोध
5. गुलाबी - गुलाबी

पाठ 20
माँ, कह एक कहानी

शब्द ज्ञान (Already done on Book)

मौखिक : (उत्तर).
1. कविता में वार्तालाप करने वाले पात्रों के नाम राहुल और यशोधरा है।

2. राहुल भगवान बुद्ध का पुत्र था।

लिखित : (उत्तर).
3. राहुल ने विवाद पर यह निर्णय दिया कि किसी भी प्राणी को मारने वाले की अपेक्षा बचाने वाला बड़ा होता है।

Scanned with CamScanner

4. 'माँ, कह एक कहानी' कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें असहाय जीव-जंतुओं पर दया भाव की प्रेरणा मिलती है।

२. निम्नलिखित पद्यांशों को पूरा कीजिए :

क, मैं सुन रहा कहानी।
कोई निरपराध को मारे,
तो क्या अन्य उसे न उबारे ?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी।
तूने सुनी कहानी।

ख, गाते थे खग कल-कल स्वर से,
सहसा एक हंस ऊपर से,
गिरा, विद्ध्या होकर खर शर से,
हुई पक्षी की हानि।

(हिन्दी व्याकरण)

1. निबंध :
   दीपावली, समय का सदुपयोग

2. पत्र :
   अपने मित्र / सखी को अपने जन्मदिन पर निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।
   प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखें।

3. विलोम शब्द (31-54)

4. पर्यायवाची शब्द (51-68)

5. अनेकार्थक शब्द (28-44)

6. शब्द युग्म (21-30).

7. मुहावरे (51-68)

8. क्रिया, काल, विराम चिह्न

Scanned with CamScanner